श्र

श्र मते म नुज नम ।

श्र नगम न्त म देशक नम ।

पुरुषस्क्तम्

ओम्

॥ पठ नुठ क ॥

स स्त्रश ष पुरुष । स स्त्रक्षस्स स्त्रप त् ।

स भ म ठश्च्त ठत्व । अत् तष्ठद्दश ङ्गुल्म् ॥ १ ॥

पुरुष एठेदग स ठ । दभत च्च भठ् म् ।

उत मतत्वस श न । दत्रेन त त ॥ २ ॥

एत ठ नस म म । अत ज गम्श्च पुरुष ।

प देऽस् ठश्च भत न । त्रप दस् मत दठ ॥ ३ ॥

त्रप दर्ध्व उदैत्पुरुष । प देऽस् भठ त्पुन ।

तत ठष्ठ ठ् क्रमत् । स शन नशने अभ ॥ ४ ॥

Send your corrections to rmvenkat@yahoo.com

तस्म द्व ज त । ० ज॑ अ६ एरू८ ।

स ज त॑ अत् च त । ए‌ॐ द् ५ म म श॑ ए ॥ ५ ॥

तुरू॑ ०८ । दे० इ म त न्० त ।

०स न्त॑ अस स द ज म् । य ष इध्म श् श द्ध० ॥ ६ ॥

स प्त स् सन्त ६ । त्रस् स प्त स म ६ कत ।

दे० द्यइ त न्० न । अ७ ६ न् न् एरू८ एशुम् ॥ ७ ॥

त इ ७ ८ प्रैक्ष न् । एरू८ ज त म य त ।

ते न दे० अ जन्त । स ६ ॠ८ ॐ ॥ ८ ॥

तस्म द्यइ त्स०ु त । सम् भ्त ए८ द ज म् ।

एश ग्मस्त ग म् ॐ ॐ ० ० न् । अ न् य म ॐ ॥ ९ ॥

तस्म द्यइ त्स०ु त । ॠ च स्स म न ज इ॑ ।

न्द ग्मस ज इ॑ तस्म त् । जुस्तस्म दज त ॥ १० ॥

तस्म दक्ष अज न्त । ` के चे भ दत ।

य ठे जङ्गे तस्म त् । तस्म ज्ज त अज ठ ॥ ११ ॥

त्रुष ठ् दध्रु । कतद ठ् कल्प न् ।

मुख कम्स् कौ ब । कठरू ट दठुचे ते ॥ १२ ॥

ब्र ह्म `ऽस् मुखम स त् । ब जन् कत ।

ऊरू तदस द्वैश् । टद्भ ग्म् श्रद्रे अज त ॥ १३ ॥

चन्द्रम मनसे ज त । चक्षे स्स ` अज त ।

मुख दन्द्रक्ष ग्नश्च । प्र द्व ु ज त ॥ १४ ॥

न भ् अ स दन्त क्षम् । श ष ` द्यौस्समठर्तत ।

टद्भ भ म र्दिश श्श्रोत्र त् । तथ ल्लेकगम् अकल्प न् ॥ १५ ॥

ठेद मेत पुरुष म न्तम् । अ दत ठ ` तमसस्तुट ` ।

स ठ रूप ठ चत् द । न म न कत्व ऽभठदन् दस्ते ।१६।

द त पु स्त द्यमुद ज । शक्र प्र ठद्वन्प्र दशश्चतस्र ।

तमेव विद्वानमृत इह भवति । नान्यः पन्था अयनाय विद्यते ॥ १७।

इन्द्र इम जन्त देव । त न इ म पृथम न् स्न् ।

ते नकम म नस्सचन्ते । त्र पूर्वे स इ स्स न्त देव ॥ १८।

॥ उत्त नुवक ॥

अद्भ्यस्सम्भृत पृथिव्यै रसच्च । विश्वकर्मणस्समवर्तता इ ।

तस् त्वष्टा विदधद्रूपमेति । तत्पुरुषस्य विश्वमजानमग्रे ॥ १ ।

वेदाहमेत पुरुष म न्तम् । आदित्यवर्ण तमस प रस्तात् ।

तमेव विद्वानमृत इह भवति । नान्यः पन्था विद्यतेऽयनाय ॥ २ ।

प्रजापतिश्चरति गर्भे अन्त । अज मानो बहुधा विजा ते ।

तस् इ प जानन्ति नम् । म च न पदमिच्छन्ति वेधस ॥३ ।

यो देवेभ्य आतपति । यो देवानां पुरोहित ।

पूर्वो यो देवेभ्यो जात । नमो रुचाय ब्राह्मये ॥ ४ ॥

Send your corrections to rmvenkat@yahoo.com

रुच ब्र ह्म जन न्त । देo अग्रे तद्ब्रुoन् ।

स्त्ैoo ब्र ह्म ` oद्यात् । तस् देo अस्न्oशे ॥ ५ ॥

ह्रुश्र ते लक्ष्म श्र पत्न् ै । अ ` ह्रे प श्र्रौ ।

नक्ष्त्र रूपम् । अश्रन्ै o त्म् ।

इष्ट म नष । अम्ु म नष । स्र्o म नष ॥ ६ ॥

ओम्

oष ुस्क्तम्

॥ न नुo क ॥

स स्त्रश ्ष देo oश्र क्ष oश्रश्म्भुoम् ।

oश्र न देoमक्ष प म पदम् ॥ १ ॥

oश्रत प म त्रत् oश्र न ग म् ।

oश्रमेoद पुरुषस्त द्वश्रमुपज o त ॥ २ ॥

प त oश्रस् त्मेश्र ग श श्रतग शoमचुतम् ।

न म ज्ञे oश्र त्मनप म् ॥ ३ ॥

न ट ब्रह्म तत्व न ट ।

न ट ज् त त्म न ट ॥ ४ ॥

च्च कचज्जगत स्मन् दृश ते श्रु तेऽट व ।

अन्तर्ब ऋ तत्स्र्व व ट न स्स् श्त ॥ ५ ॥

अनन्तमव् कवग समुद्रेऽन्त वऋशम्भुवम् ।

ट्म कोशप्रत कशग द च ट् ई मुखम् ॥ ६ ॥

अर्ह नष्ट्य वतस्त् तु न भ मुट तष्ठत ।

द तद्वज न द् वऋस् तन म त् ॥ ७ ॥

सन्ततग सल भस्तु लम्बत कोशस त्रभम् ।

तस न्ते सुष गम् सक्ष्म तस्मन्स्र्व प्र त ष्ठतम् ॥ ८ ॥

तस् मध्ये म नगनर्वऋ र्चर्वऋतेमुख ।

सेऽग्रभुगवभज न्तष्ठत्र मज कव ॥ ९ ॥

सन्तट त स्व दे म ट दतलमस्तकम् ।

तस् मद् ॰ ह्न श्ख अ ॰छ ॰ ॰स् ॒श्त ॥ १० ॥

न्लते दमद् स्श ॰द्युल्लेखे॰ भ स्॰ ।

न ॰ श्क॰तन्॰ ट त भ स तनटम ॥ ११ ॥

तस् श्श्ख मद्रे ट म त्न ॰ ॰स् श्त ।

स ब्रह्म स श॰स्स्नेन्द्रुस्स्ऽक्ष ट म स्॰ ॥ १२ ॥

ऋतग स्त ट ब्रह्म पुरुष कष टङ्ग म् ।

ऊर्ध्वे त ॰रूप क्ष ॰ष्ठरूप ॰ै नम ॥ १३ ॥

अ न ॰द्म ॰ स्तुदे॰ द म ।

तत्रे ॰ष॒ प्रचेद त् ॥ १४ ॥

अ न ॰द्म

॥ ॰ष॒स्क्तम् ॥

॰ष् र्नुक ॰ प्र॰च ट श्॰ न ॰मम जगस

अस्कभ दुत्त ग स्दस्श ॰चक्रम स्त्रेदरुग

ठष्॒ ॑ म स ठष्॒ ॑ ⌐ष्ठुम स ठष्॒ ॑श्श्नफ्रेस्थ॑

ठष्॒ ॑स्स्॒ स ठष्॒ ॑र्ध्ठुम स ठैष ठम स ठष ठे त्ठ ॥

तदस ⌐ म ⌐ ॠ॑ अश म्॒ । न॑ ॠ देठ ठे मदन्त ।

उरुक्रमस्॒ स बन्ध्दु त्थ॑ । ठष्॒ ॑ ⌐दे ⌐ मे मछ्ठ उथ्॒स ॥

⌐त द्वष्॒ुस्तठते ठ ॑ । मग॑ न ॠ म कुच॑ ग ष्ठ ।

स्॒ ॑रुषु ॠषु ठक्रम ॑षु । अध्क्ष न्त ॠुठन न ठॐ

⌐॑ म ॠ तन्ुठ ठध्न । न ते म त्ठमन्॒ठश्न्ुठ न्त ।

उभ॑ ते ठद्म जस ⌐ ॠठ ठष्॒ ॑ देठत्ठ। ⌐ मस ठथ्स॑

ठचक्रम॑ ⌐ ॠठ मेष एत म्॒ । क्षेॠ ठष्॒ुर्मन्ुषे दशस न्॒ ।

ध्ुठ स॑ अस क ॑ जन स । उरुक्ष तग सुज नम चक ॥

ॠर्देठ ⌐ ॠठ मेष एत म्॒ । ठचक्रम॑ शतर्चस म त्ठ ।

⌐ ठष्॒ु स्तु तठसस्तठ न्॒ । त्ठेषग ह्यस्॒ स्थ॑ ठ स्॒ न म ॥

अत॑ देठ अठन्तु न॑ ते ठष्॒ुर्ठचक्रम॑ ।

ट श्ठ स्स्प्ध्ह म भ ॥

इद ठष्ुर्ठचक्रमे त्रेध नदधे टदम् । समढमस ट गु सु ॥

त्र टद ठचक्रमे ठष्ुर्गोट अदभ । तते धम धि न् ॥

ठष्े कम टश्त ते व्रत नटस्पशे । इन्द्रस ुज् स्सख ॥

त द्वष्े ट म टदगु सद टश्न्त स । दठ ठ चक्षु ततम् ॥

त द्वप्र से ठटन ठे ज ग ठ ग सस्स मन्धते । ठष्े ित्ट म टदम् ॥

ट िप्् अनन्त सर्ठस्तेमे त त्र उत्तम म र्भठ त ।

सर्ठस ट्तै सर्ठस जतै सर्ठमेठ तेनप्ने त सर्ठ ज त ॥

ओम्

श्रस्क्तम्

ठ् स्ुठ िजतस्त्रज म् ।

चन्द्र् म् लक्ष्म ज तठेदे म अठ ॥ १ ॥

त म अ० ज त०े दे लक्ष्म मन८ग मन म्।

स ०न्दे ग म४ ८ुरूष न म्॥ २॥

अ४८०ं ४म६ स्तन द्प्रॆ ६न म्।

श्र देॆ० म८ुह्व श्र मेंदे० ज८ुत म्॥ ३॥

क से स्म त प्र क म द्र्ं ज्०लन्त तप्त तर्८ं न्त म्।

८द्मे स्थत ८द्म०् त० मे ८ह्व श्र म्॥ ४॥

चन्द्र प्रभ स श स ज्०लन्त श्र ले के दे०जुष्ट म८ुद म्।

त ८द्मनेम श म प्र८द्येऽलक्ष्म मेॅं नश त त० ०ॆ॥ ५॥

अ दत ०ॅ त८देऽ६ ज ते ०नस्प तस्त० ०क्षेऽथ बल्० ।

तस् ल न त८स नुदन्तु म न्त श्च ब ह्य अलक्ष्म ॥६॥

उ८ैतु म दे०सख क र्तश्च म न स ।

प्र दुर्भतेऽस् म ष्ट्रेऽस्मन् क र्तम ब्द्ध ददतु मे॥ ७॥

Send your corrections to rmvenkat@yahoo.com

क्षु त्ट स मल ज् ष्ठ मलक्ष्म न्श म म्।

अभ तमसम द्ध च स ठ न् न् ुद मे ग त्॥ ८॥

ग न्ध द्व दु ध् ड ञ्त पुष्ट क ड म्।

ईश्व स ठभत न त म ह्व श्र म्॥ ९॥

मनस क मम कत ठ चस् स्त मश म ।

पश न रूपमञ्स म श्र श् श् त श ॥ १०॥

कर्दमेन प्रज भत म सभठ कर्दम ।

श्र ठ स मे कुले मत पद्मम लन म्॥ ११॥

अप स्जन्तु स्नग् ध न चक्ल त ठस मे ग ।

न च देठ मत श्र ठ स मे कुले॥ १२॥

अर्द्र पुष्क पङ्गल पद्मम लन म्।

चन्द्र् म लक्ष्म ज तठेदे म अठ ॥ १३॥

अर्द्र क टुष्ट स्टुठ् ेमम लन म्।

स ँ ्म लक्ष्म ज तठेदे म अठ ॥ १४ ॥

त म अठ ज तठेदे लक्षमनटग मन म्।

स् ट्भत ग ठे दस ेऽ८ न्ठन्दे टुरुष न म् ॥ १५ ॥

टद्मट् े ट द्मन टद्म स्ते टद्मल े टद्मद त क्ष।

ठ८ ट् े ठष्ुमने ऽन्ुकले त्वत्ट दटद्म म स ऱ्इत्स्ठ ॥ १६ ॥

श्र ै ज त श्र अ न ँ श्र ठ े जनतभे दइ तु।

श्र ठसन अमतत्वम न्भज न्त सद्यस्स ठइ ठतद्यन् ॥ १७ ॥

श्र एठैन त च् म दइ त।

सन्ततमच ठष्कूत सइत सन्इ ते ट्ज टशुभ । एठ ठेद ॥

अे म देठै च ठद्मे ठष्ुटत्नै च इ म ।

तन्रे लक्ष्म ट्चेद त् ॥

Send your corrections to rmvenkat@yahoo.com

भसक्तम्

भ म् भम्म द्यौर्ऽ ऽन्त क्ष म त्व ।

उपस्थे ते देव दतेऽग्नमन्न दमन्न द् दद्ये ॥ १ ॥

अऽङ्गौ पश्न क्रम दसन्न्म त पुन ।

पत च प्र न्त्सुव ॥ २ ॥

त्रँ शद्धम व ज तव कुप्तङ्ग श श्रे ।

प्रत् स व द्युभ ॥ ३ ॥

अस प्र दप नत् नश्च त चन ।

व ख न् म ष सुव ॥ ४ ॥

त् त्व क्रुद्ध प वप मनु दवत ।

सुकल्पमग्ने तत्तव पुनस्त्वोद्दप मस ॥ ५ ॥

ते मनुप प्स पश्व मनु दध्वसे ।

अ दत वश्चे तद् देव वसवश्च सम भ न् ॥ ६ ॥

मे दन देव वसुन्ध स द्वसुद देव व स व । ब्रह्मवर्चस

पत्रु ग श्रेत्र चक्षुर्मन । देव ग र्भ देव

प्रसद । सने सत ने स द। समुद्रवत स वत्र ने देव

म्ह्युङ्ग । म े इ   म े इ थष्ठ श्ङ्गे श्ङ्गे ङ्गे

ङ्गे ०भ ८ । इन्द्रुपत्न ० पन सुस

० ुमत जलश न स्त्र न्इ   सत न्इे प मेदन

ॐ े प इन्त ग

०ष्ुपत्न म देॆ० म इ० म इ०प्र म् ।

लक्ष्म प्र सख देॆ० नमम चुत०ल्लभम् ।

अे इन्दुर्इ ै ०घ्म े स०स्द्इ ै च इ म ।

तङ्गे इ प्रचेद त् ।

च ०न्त चे म् अमतस गे प म्

पु मस उपस े म ० चम्

म देॆ० ०ष्ुपत्न मज ि म् ।

प्रत च मेन ग ०८ ज म ।

त्रेइ ०ष्ुरुरुग े ०चक्रमे ।

म द० प थ० मन्त क्षम् ।

तच् ् ैत श्र० इच म न ।

ए ग श्लोक जमन कवत ॥

ओम्

* * * * *

न सूक्तम्

ग ॥

गतवत सवत धरत्ै र स्वत न्त श ने अस्तु ।

ध्रुव दश वष्ुरत्न दे उसेश न स से मनेत ॥

ब सप तमर्त श्वेत व ुस्स्ध्रुवन वत अभ ने ग न्तु ।

वष्टम्भे दवे धरु रश्व असेश न जगते वष्ुरत्न ॥

ओम्

* * * * *